Title: Need to take steps for early creation of Mumbai Railway Development Corporation - Laid..

श्री किरीट सौमैया (मुम्बई उत्तर-पूर्व): महोदय, अक्तूबर माह के पहले सप्ताह में रेल प्रशासन द्वारा बिना पूर्व सूचना के मुंबई उपनगरीय रेलवे पटरी के पास बसी २५ हजार झुग्गी-झोंपड़ियों को हटाने के लिए, वहां तोड़-फोड़ की गई, जिसके कारण झुग्गी-झोंपड़ी में रहने वाले लोगों से रेलवे प्रशासन की झड़प हुई। उन्होनें धरना, प्रदर्शन आदि किए जिससे उस दिन मुंबई उपनगरीय रेलवे सेवा पूरी तरह से ठप्प पड़ गयी और प्रतिदिन यात्रा करने वाले यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। रेलवे प्रशासन द्वारा अचानक की गई इस तोड़-फोड़ से लगभग २ लाख लोगों के बेघर होने की संभावना है। इससे वहां पर रहने वाले लोगों में भारी आक्रोश और तनाव व्याप्त है।

रेल मंत्रालय द्वारा उपरोक्त कार्यवाही के बारे में स्पष्टीकरण दिया गया है कि मुंबई रेल प्रशासन द्वारा इसके लिए मंत्रालय से अनुमति नहीं ली गई। इससे रेल सेवा अनियमित हो गई, मुंबई के ५९ लाख प्रवासी परेशान हैं, झुग्गी-झोंपड़ी के कारण मोटरमैन को अपने वाहनों को चलाने में परेशानी होती है। मुंबई उपनगरीय रेलवे की मध्य तथा पश्चिम रेलवे की पटरियों के आसपास लगभग ३५ हजार झुग्गियों को हटाने की रेल प्रशासन की योजना है। रेल प्रशासन तथा झुग्गी वालों के बीच इस प्रकार का संघर्ष रेल सेवाओं पर असर डालता है।

अतः मैं केन्द्र सरकार से अनुरोध करता हूं कि मध्य रेलवे सेवा नियमित करने के लिए, मुंबई उपनगरीय रेल सेवा को ठीक करने के लिए मुंबई रेलवे विकास निगम की रचना का कार्य तुरंत पूर्ण किया जाए और उक्त योजना को कार्यान्वित किया जाए। झुग्गी-झोंपड़ी वालों को विश्वास में लेकर समन्वय के साथ उनका अन्य स्थान पर पुनर्वास किया जाए। कुरला-थाणे नई रेलवे लाईन डालने की योजना को गति दी जाए। इसके साथ में बनी ११६१ झुग्गी-झोंपड़ियों को राज्य सरकार से समन्वय करके शीघ्र ही उनका पुनर्वास किया जाए एवं कुरला-थाणे दो नई लाईनें अर्थात ५ व ६ कोरीडोर को कुरला-कल्याण तक किया जाए।